UNIVERSITY NEWS 04 FEBRUARY 2025

AMAR UJALA

लविवि : परीक्षाओं के परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीते दिसंबर में आयोजित हुई विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का परिणाम मंगलवार की देर शाम घोषित कर दिया। विवि प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार त्रिवर्षीय व पंच वर्षीय एलएलबी, एमएसडब्ल्यू, एमए हिंदी, उर्दू, पर्शियन, अरेबिक, जेएमसी, डिफेंस स्टडीज, वीमेन स्टडीज, पोलिटिकल साइंस, बीटेक के 12 स्ट्रीम समेत कुल 48 पाठ्यक्रमों के तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के परीक्षाफल घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विस्तृत परीक्षा परिणाम लखनऊ विवि की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

बीटेक समेत 31 पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के 31 पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। जिसे विद्यार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परीक्षा सेक्शन में देख सकते हैं।

बीटेक सीई, सीई एनईपी, सीएसई, सीएसई एनईपी, सीएस एंड एआई, सीएसई एआई एनईपी, ईई, ईई एनईपी, ईसीई, ईसीई एनईपी, एमई, एमई एनईपी तृतीय सेमेस्टर, एमए भूगोल, महिला अध्ययन, हिन्दी, गृह विज्ञान, पर्सियन, रक्षा अध्ययन, अरेबिक, अरब कल्चर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, सीसीजेए, मनोविज्ञान, एआईएच ग्रुप बी, अर्थशास्त्र, संस्कृत ग्रुप ए, बी, सी, डी, समाजशास्त्र और कंपोजिट हिस्ट्री के तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी कर दिया गया है।

एलयू में विद्यार्थियों को बीमा सुविधा मिलेगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति ने परिसर के छात्र-छात्राओं को सामान्य और चिकित्सा बीमा सुविधा देने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों परिसर में करीब 23 हजार छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इन पर बीमा सुविधा में आने वाले खर्च का आकलन करने के लिए बीमा चिकित्सा कंपनियों को आमंत्रित किया है। उनसे प्रस्ताव लिया जाएगा।

AMRIT VICHAR

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी का वाइवा होगा अब ऑनलाइन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- संबद्ध महाविद्यालयों का होगा ऑनलाइन निरीक्षण

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में अब शोधछात्रों के वायवा से लेकर पीएचडी असेसमेंट तक ऑनलाइन किया जाएगा। इतना ही नहीं, छात्रों की उपस्थिति भी अब समर्थ पोर्टल से ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसले किए गए हैं। अब विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालयों का ऑनलाइन निरीक्षण करेगा। संकायाध्यक्षों के साथ हुई बैठक में यह निर्णय किया गया है।

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को अब शैक्षणिक, प्रशासनिक और भौतिक सुविधाओं का विवरण डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। निरीक्षण समिति अब ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से ही महाविद्यालयों की स्थिति का आंकलन करेगी। इसके अलावा शोधार्थियों के लिए पीएचडी वाइवा अब ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा। इससे देश-विदेश के विशेषज्ञों को वाइवा में सम्मिलित करना आसान होगा, शोधार्थियों को यात्रा की कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी।

पीएचडी शोध प्रबंध का मूल्यांकन अब ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इससे मूल्यांकन प्रक्रिया तेज होगी, रिपोर्ट समय पर उपलब्ध होगी और शोधार्थियों को अनावश्यक विलंब से बचाया जा सकेगा। जूनियर रिसर्च फेलो से सीनियर रिसर्च फेलो में पदोन्नति हेतु मूल्यांकन अब ऑनलाइन माध्यम से होगा।

विश्वविद्यालय ने छात्रों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है।

AMAR UJALA

सभी विभागों में तैयार होंगे कौशल आधारित पाठ्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभागों में अब पाठ्यक्रमों को इंटर्नशिप-उन्मुख, व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को रोजगार आसानी से मिले इसके लिए कैंपस प्लेसमेंट की नई नीति को लागू किया जाएगा।

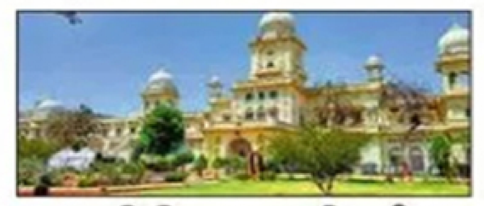

लविवि : कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया निर्णय

कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कैंपस प्लेसमेंट सेल की टीम की साथ हुई बैठक में वर्तमान प्लेसमेंट प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। कुलपति ने वर्तमान प्लेसमेंट नीति की समीक्षा करने के बाद नई नीति के लिए अपनी ओर से सुझाव दिए हैं। इसके अलावा केंद्रीय प्लेसमेंट सेल टीम और विभागाध्यक्षों से भी सुझाव मांगे हैं। प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि कुलपति ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित कंपनियों, बड़ी कॉर्पोरेट इकाइयों और उच्च वेतन-पैकेज प्रदान करने वाली शीर्ष संस्थाओं को कैंपस से जोड़ने के लिए कहा है।

कुलपति ने निर्देश दिया कि प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप गतिविधियों के लिए विभागवार और विश्वविद्यालय स्तर पर स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। इन लक्ष्यों की नियमित समीक्षा की जाए और उनकी प्राप्ति के लिए एक समयबद्ध एवं योजनाबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। विवि के प्लेसमेंट सेल की टीम को उन क्षेत्रों व उद्योगों की पहचान करनी की जिम्मेदारी दी गई है जहां भविष्य में मांग बढ़ रही है। (संवाद)

AMRIT VICHAR

बैठक के दौरान कुलपति प्रो. जेपी सैनी व अन्य।

पूर्व छात्र मिलन कार्यक्रम होगा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी वर्तमान प्लेसमेंट प्रणाली से अवगत कराया और इसे और अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और अवसरों से समृद्ध बनाने की रणनीतियों पर चर्चा किया। कुलपति प्रो. सैनी ने छात्रों के लिए प्लेसमेंट अवसर बढ़ाने और उन्हें उच्च गुणवत्ता एवं अधिक संगठित स्वरूप में संचालित करने पर विशेष बल दिया। कुलपति ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के सभी संकायों एवं विभागों में पाठ्यक्रमों को अधिक इंटर्नशिप-उन्मुख, व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाया जाए। साथ ही विभागीय स्तर पर एलुमनाई मीट आयोजित किए जाए।

DAINIK JAGRAN

'कैंपस प्लेसमेंट में अच्छा पैकेज देने वाली संस्थाओं को करें आमंत्रित'

जासं • लखनऊ : लवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट पर कहा है कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित कंपनियों, बड़ी कार्पोरेट इकाइयों और उच्च वेतन-पैकेज प्रदान करने वाली शीर्ष संस्थाओं को कैंपस में आमंत्रित करने पर विशेष ध्यान दें। इसके लिए प्लेसमेंट सेल को एक सुदृढ़ कार्पोरेट आउटरीच रणनीति विकसित करनी होगी।

प्रो. सैनी ने विश्वविद्यालय में केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की बैठक में सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय एवं उनकी टीम को प्लेसमेंट अवसर बढ़ाने और उन्हें उच्च गुणवत्ता एवं अधिक संगठित स्वरूप में संचालित करने के निर्देश दिए। कहा, सभी संकायों एवं विभागों में पाठ्यक्रमों को अधिक इंटर्नशिप-उन्मुख, व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाया जाए। सेल को उन क्षेत्रों एवं उद्योगों की पहचान करनी चाहिए जहां भविष्य में मांग बढ़ सकती है। प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप गतिविधियों के लिए विभाग-वार और विश्वविद्यालय स्तर पर स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। इन लक्ष्यों की नियमित समीक्षा की जाए और उनकी प्राप्ति के लिए समयबद्ध एवं योजनाबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए।

NBT

LU से संबद्धता के लिए अब डिजिटल निरीक्षण

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से नए कॉलेज व कोर्स की संबद्धता के लिए अब शिक्षकों का टीम कॉलेजों में निरीक्षण के लिए नहीं जाएगी। विवि की ओर से अब कॉलेजों की संबद्धता के लिए डिजिटल निरीक्षण किया जाएगा। कॉलेज अपना ब्योरा डिजिटल अपलोड करेंगे और एलयू प्रशासन डिजिटल ही सारी चीजों का मूल्यांकन कॉलेजों को संबद्धता देंगे। इससे एक ओर विवि में संबद्धता देने की प्रक्रिया और तेज होगी तो वहीं इस प्रक्रिया में पारदर्शिता आ सकेगी।

> अब कॉलेजों में निरीक्षण के लिए नहीं जाएगी शिक्षकों की टीम

विवि के वीसी प्रो जेपी सैनी की ओर से यह नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत जो भी कॉलेज एलयू से संबद्धता चाहते हैं उन्हें अपनी शैक्षणिक, प्रशासनिक और भौतिक सुविधाओं का विवरण डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। इसमें कागजात के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर का ब्योरा भी फोटो विडियो के रूप में अपलोड करना होगा। इसके बाद समिति ऑनलाइन प्लैटफॉर्म के माध्यम से ही महाविद्यालयों की स्थिति का आकलन करेगी। इससे निरीक्षण में पारदर्शिता आएगी।

VOICE OF LUCKNOW

पाठ्यक्रमों को व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनायें : सैनी

- लविवि कुलपति ने विभागीय स्तर पर एलुमनाई मीट आयोजित किए जाने के दिये निर्देश
- लविवि कुलपति के साथ केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की हुई बैठक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के साथ केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की प्रथम औपचारिक बैठक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय एवं उनकी टीम ने विश्वविद्यालय में संचालित प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप गतिविधियों की वर्तमान स्थिति, हाल की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक का उद्देश्य कुलपति को विश्वविद्यालय की वर्तमान प्लेसमेंट प्रणाली से अवगत कराना तथा आने वाले समय में इसे और अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और अवसरों से समृद्ध बनाने की रणनीतियों पर चर्चा करना था। कुलपति प्रो. सैनी ने छात्रों के लिए प्लेसमेंट अवसर बढ़ाने और उन्हें उच्च गुणवत्ता एवं अधिक संगठित स्वरूप में संचालित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का ध्येय विद्यार्थियों को उन अवसरों तक पहुंचाना है जहां वे अपने कौशल और ज्ञान का सर्वोत्तम उपयोग कर सकें। बैठक में कुलपति प्रो. सैनी ने कई दूरदर्शी और महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें विश्वविद्यालय की भविष्य की प्लेसमेंट रणनीति के लिए अत्यंत मार्गदर्शक माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज उच्च शिक्षा का मूल्य तभी सशक्त होता है जब विद्यार्थियों को शैक्षिक दक्षता के साथ-साथ उद्योग में सीधे उपयोग में आने वाले कौशल प्राप्त हों। इस संदर्भ में उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के सभी संकायों एवं विभागों में पाठ्यक्रमों को अधिक इंटर्नशिप-उन्मुख, व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय प्लेसमेंट सेल को उन क्षेत्रों एवं उद्योगों की पहचान करनी चाहिए जहां भविष्य में मांग बढ़ रही है, ताकि विद्यार्थी उभरते हुए क्षेत्रों में भी अवसर प्राप्त कर सकें। इसी क्रम में कुलपति ने यह महत्वपूर्ण सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित कंपनियों, बड़ी कॉर्पोरेट इकाइयों और उच्च वेतन-पैकेज प्रदान करने वाली शीर्ष संस्थाओं को कैंपस में आमंत्रित करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को बड़े पैमाने पर उच्च-स्तरीय प्लेसमेंट अवसर उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने कहा कि इसके लिए प्लेसमेंट सेल को एक सुदृढ़ कॉर्पोरेट आउटरीच रणनीति विकसित करनी चाहिए, जिसमें सीधे उद्योग-अधिकारियों के साथ संवाद, कॉर्पोरेट नेटवर्किंग, कैंपस ड्राइव की योजना और दीर्घकालिक साझेदारी शामिल हो। कुलपति प्रो. सैनी ने सुझाव दिया कि प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप गतिविधियों के लिए विभाग-वार और विश्वविद्यालय स्तर पर स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएं।